



हिमाचल प्रदेश जायका कृषि परियोजना-II

विशेष डायरी

हमीरपुर: 20 जून 2026



ओजीआईआई टीम लीडर ने सोलन-मंडी दौरे को सुविधाजनक बनाने के लिए परियोजना निदेशक का जताया आभार
***परियोजना भ्रमण के संबंध में समापन बैठक 25 जून को संभावित**



हमीरपुर, 19 जून: ओजीआई कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधिमंडल के टीम लीडर ने हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना-II, जायका-ओडीए, के परियोजना निदेशक डॉ. सुनील चौहान का सोलन एवं मंडी जिलों के भ्रमण को सफलतापूर्वक आयोजित करवाने तथा उच्च तकनीक आधारित पर्यावरण-अनुकूल हस्तक्षेपों के मूल्यांकन के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया है।

ओजीआई होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन के निदेशक श्री मसाकी चिबा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 17 जून को सोलन जिले के मॉडल सब्जी फार्म बैरटी एवं एफआईएस खलदार तथा 18 जून को मंडी जिले के केहड़ एवं 'कंसा खड्ड से पलोहटा तक' के क्षेत्रों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में सहायक निदेशक श्री दाइकी इकेउची तथा श्री गौरव भार्गव शामिल थे।

सोलन एवं मंडी में ओजीआई कॉर्पोरेशन के दल के भ्रमण का संचालन क्रमशः जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर (सोलन) एवं डॉ. हेमराज वर्मा (मंडी) ने किया।

डॉ. सुनील चौहान को भेजे गए अपने संदेश में ओजीआई कॉर्पोरेशन के टीम लीडर ने कहा, "पिछले दो दिनों के दौरान सोलन एवं मंडी के हमारे भ्रमण में सहयोग प्रदान करने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। किसानों से मिलना तथा आपकी टीमों के साथ विचार-विमर्श करना अत्यंत सार्थक रहा। मैं अपनी रिपोर्ट एवं आगामी प्रस्तावित कार्ययोजना ई-मेल के माध्यम से साझा करूंगा। भविष्य में भी आपके सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा है। साथ ही, यदि आपके लिए सुविधाजनक हो तो हम 25 जून को व्यक्तिगत रूप से समापन बैठक आयोजित करना चाहेंगे।" ओजीआई कॉर्पोरेशन पर्यावरण-अनुकूल उच्च तकनीक कृषि

मॉडल हस्तक्षेपों को परियोजना में प्रारम्भ करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके अंतर्गत कागज-आधारित मल्टिप्लेक्स तकनीक के उपयोग, टिकाऊ कृषि में इसकी भूमिका, नमी संरक्षण, खरपतवार नियंत्रण तथा प्लास्टिक-आधारित सामग्री के विकल्प के रूप में इसकी संभावनाओं का आकलन किया जा रहा है।

ओजीआई टीम ने दोनों जिलों में किसानों के साथ संवाद भी किया तथा सब्जी उत्पादन में किसानों द्वारा सामना की जा रही विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की। इनमें फसल प्रबंधन, उत्पादन लागत, पैकेजिंग, परिवहन एवं विपणन से संबंधित विषय प्रमुख रहे। स्थानीय कृषि परिस्थितियों में पेपर मल्टिप्लेक्स शीट्स तथा टिकाऊ पैकेजिंग सामग्री की उपयुक्तता एवं संभावित उपयोग पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।